ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

23-10-2024

बापदादा से तो मिलन मनाते हो लेकिन बड़े से बड़ा मिलन है आपस में संस्कारों का मिलन। जब यह संस्कार मिलन हो जायेगा तब जयजयकार होगी, इसके लिए मधुरता के गुण को धारण करो। कटाक्ष के बोल वा कटु बोल नहीं बोलो। जैसे मिलन में हाथ मिलाते हैं – यह मिलन है संस्कार मिलन – अगर सबके संस्कार मिलकर बाप समान हो जाएं, सबके संस्कार एक समान हो जाएं तो एक राज्य, एक धर्म वाली दुनिया आ जायेगी।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

You celebrate a meeting with BapDada, but the greatest meeting is to harmonise sanskars amongst yourselves. When these sanskars are harmonised, there will be cries of victory. For this, imbibe the virtue of sweetness. Don't speak sharp or taunting words. When you meet someone, you greet one another by shaking hands, whereas here, it is a meeting of sanskars. When everyone's sanskars become similar and the same as the Father's, the world of one kingdom and one religion will come.